C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2×4=8) (1×2=2) [10]

जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन भी कहा जाता है। यही दैवत्वपूर्ण जीवन है। इस जीवन का आधार यज्ञ होता है। शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है। चारों वेदों में कहा गया है धरती का केंद्र या आधार यज्ञपूर्ण जीवन ही है, यानी सत्कर्मों पर ही यह धरती टिकी हुई है। इसलिए कहा गया है कि यदि

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पृथ्वी को बचाना है तो श्रेष्ठ कर्मों की तरफ़ समाज को लगातार प्रेरित करने के लिए कार्य करना चाहिए। सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है। अपकारी यानि दूसरों को परेशान और दुख देने वाला जीवन ही राक्षसी जीवन या शैतानी ज़िदगी कही जाती है। इस तरह के जीवन से ही समाज में सभी तरह की समस्याएँ पैदा होती हैं। इस धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा। सत्कर्म तभी किए जा सकते हैं, जब हम सोच-विचार कर कर्म करेंगे। विचार के साथ किया हुआ कर्म ही अपना हित तो करता है परिवार, समाज और दुनिया का भी इससे भला होता है। जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

1. यज्ञीय जीवन किसे कहा गया है?
2. सामान्य जीवन क्या है?
3. धरती को सभी समस्याओं से मुक्त करने के लिए हमें क्या करना होगा?
4. जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए क्या ज़रूरी है?
5. शास्त्र में यज्ञ किसे कहा गया है?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [1]

लिखवाई, शासकीय

ख) निम्नलिखित शब्दों के उचित उपसर्ग पहचानिए। [1]

उत्साह, पराक्रम

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए। [1]

पुरस्कार, अनुज

घ) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए: [1]

चलना, झूला

प्र. 3. निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखें: [4]

1. नव ग्रहों का समाहार
2. लाभ और हानि
3. पाँच है आनन जिसके अर्थात् शिव
4. माल के लिए गाड़ी

प्र. 4. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए। [4]

1. बहुत से अफसर ईमानदार होते हैं।
2. आपकी यात्रा मंगलमय हो।
3. तुम उधर खड़े हो जाओ।
4. मैंने खाना नहीं खाया।

प्र. 5. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए। [4]

1. मंगन को देखि पट देत बार-बार है।
2. हनुमान की पूंछ में, लगन न पाई आग।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लंका सगरी जल गई, गए निसाचर भाग।।

3. सुरभित सुंदर सुखद सुमन तुम पर खिलते।
4. हाय फूल सी कोमल बच्ची,हुई राख की ढेरी

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 6. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [3×2=6]

सेनापति 'हे' मन से दुखी होकर वहाँ से चला गया। इसके बाद जनरल अउटरम ने नाना के महल को फिर घेर लिया। महल का फाटक तोड़कर अँग्रेज सिपाही भीतर घुस गए, और मैना को खोजने लगे, किंतु आश्चर्य है, कि सारे महल का कोना-कोना खोज डाला; पर मैना का पता नहीं लगा।

क) सेनापति 'हे' क्यों चला गया?

ख) अउटरम ने महल को क्यों घेर लिया? तथा अँग्रेज सिपाही महल में क्यों घुस गए?

ग) महल के कोने–कोने में क्या खोजा जा रहा था और कौन नहीं खोज पाए?

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाईयों का सामना करा पड़ा?
2. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?
3. नीचे दी गई पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए-

   'तुम परदे का महत्त्व नहीं जानते, हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं'

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. लेखिका महादेवी ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
5. सालिम अली हर समय क्या लिए रहते थे और क्यों?

प्र. 8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

चित्रकूट की अनगढ़ चौड़ी
कम ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ
दूर दिशाओं तक फैली हैं।
बाँझ भूमि पर
इधर-उधर रींवा के पेड़
काँटेदार कुरूप खड़े हैं।

1. 'अनगढ़' शब्द का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. दूर दिशाओं तक फैली हैं- का भाव क्या है?
3. पहाड़ियों के लिए किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है?

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?
2. कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?
3. सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों हैं?
4. भाव स्पष्ट कीजिए- जेब टटोली कौड़ी न पाई।
5. माई री वा मुख की मुस्कानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है - मेरे संग की औरतें पाठ के आधार पर तर्क-सहित उत्तर दीजिए।
2. गोपाल प्रसाद की किस विचारधारा से रामस्वरूप जी खिन्न थे, आप उनसे कहाँ तक सहमत है?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

1. त्योहारों के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव का बढ़ना
   - त्योहारों की उपयोगिता
   - उत्साह और आस्था कम होने के कारण
2. 'पुस्तक की आत्मकथा'
   - प्रारंभिक रूप : लेखन
   - मुद्रण-प्रकाशन
   - पाठक के हाथ में
3. समाचार-पत्र

प्र. 12. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

मित्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने पर बधाई-पत्र लिखिए।

अथवा

आपके नाम से प्रेषित एक हजार रु. के मनीआर्डर की प्राप्ति न होने का शिकायती पत्र अधीक्षक, पोस्ट आफिस को लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 13. निम्नलिखित किसी एक विषय पर संवाद लेखन करें। [5]

1. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें।
2. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।

   ताहिर : कल कहाँ थे विक्रम?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×4=8) (1×2=2) [10]

जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन भी कहा जाता है। यही दैवत्वपूर्ण जीवन है। इस जीवन का आधार यज्ञ होता है। शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है। चारों वेदों में कहा गया है धरती का केंद्र या आधार यज्ञपूर्ण जीवन ही है, यानी सत्कर्मों पर ही यह धरती टिकी हुई है। इसलिए कहा गया है कि यदि

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पृथ्वी को बचाना है तो श्रेष्ठ कर्मों की तरफ़ समाज को लगातार प्रेरित करने के लिए कार्य करना चाहिए। सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है। अपकारी यानि दूसरों को परेशान और दुख देने वाला जीवन ही राक्षसी जीवन या शैतानी ज़िदगी कही जाती है। इस तरह के जीवन से ही समाज में सभी तरह की समस्याएँ पैदा होती हैं। इस धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा। सत्कर्म तभी किए जा सकते हैं, जब हम सोच-विचार कर कर्म करेंगे। विचार के साथ किया हुआ कर्म ही अपना हित तो करता है परिवार, समाज और दुनिया का भी इससे भला होता है। जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

1. यज्ञीय जीवन किसे कहा गया है?

   उत्तर : जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन कहा जाता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. सामान्य जीवन क्या है?

उत्तर : सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है।

3. धरती को सभी समस्याओं से मुक्त करने के लिए हमें क्या करना होगा?

उत्तर : धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा।

4. जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए क्या ज़रूरी है?

उत्तर : जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

5. शास्त्र में यज्ञ किसे कहा गया है?

उत्तर : शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'जीवन यज्ञ' है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [1]

लिखवाई, शासकीय

उत्तर : वाई, ईय

ख) निम्नलिखित शब्दों के उचित उपसर्ग पहचानिए। [1]

उत्साह, पराक्रम

उत्तर : उत्, परा

ग) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए। [1]

पुरस्कार, अनुज

उत्तर : पूरस्+कार, अनु+ज

घ) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए: [1]

चलना, झूला

उत्तर : चल+ना, झूल+आ

प्र. 3. निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखें: [4]

1. नव ग्रहों का समाहार
2. लाभ और हानि
3. पाँच है आनन जिसके अर्थात् शिव
4. माल के लिए गाड़ी

विग्रह	समस्त पद	समास
नव ग्रहों का समाहार	नवग्रह	द्विगु समास

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लाभ और हानि	लाभ हानि	द्वंद्व समास
पाँच है आनन जिसके अर्थात् शिव	पंचानन	बहुब्रीहि समास
माल के लिए गाड़ी	मालगाड़ी	तत्पुरुष समास

प्र. 4. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताइए। [4]

1. बहुत से अफसर ईमानदार होते हैं।

   उत्तर : विधानार्थक वाक्य

2. आपकी यात्रा मंगलमय हो।

   उत्तर : इच्छा वाचक वाक्य

3. तुम उधर खड़े हो जाओ।

   उत्तर : आज्ञार्थक वाक्य

4. मैंने खाना नहीं खाया।

   उत्तर : निषेधवाचक वाक्य

प्र. 5. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए। [4]

1. मंगन को देखि पट देत बार-बार है।

   उत्तर : श्लेष अलंकार

2. हनुमान की पूंछ में, लगन न पाई आग।

   लंका सगरी जल गई, गए निसाचर भाग।।

   उत्तर : अतिशयोक्ति अलंकार

3. सुरभित सुंदर सुखद सुमन तुम पर खिलते।

   उत्तर : अनुप्रास अलंकार

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. हाय फूल सी कोमल बच्ची,हुई राख की ढेरी

उत्तर : उपमा अलंकार

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 6. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [3×2=6]

सेनापति 'हे' मन से दुखी होकर वहाँ से चला गया। इसके बाद जनरल अउटरम ने नाना के महल को फिर घेर लिया। महल का फाटक तोड़कर अँग्रेज सिपाही भीतर घुस गए, और मैना को खोजने लगे, किंतु आश्चर्य है, कि सारे महल का कोना-कोना खोज डाला; पर मैना का पता नहीं लगा।

क) सेनापति 'हे' क्यों चला गया?

उत्तर : सेनापति 'हे' अउटरम की महल ध्वस्त करने की मंशा जानकर चला गया।

ख) अउटरम ने महल को क्यों घेर लिया? तथा अँग्रेज सिपाही महल में क्यों घुस गए?

उत्तर : मैना बाहर न जा सके इसलिए अउटरम ने महल को घेर लिया और मैना को पकड़ने के लिए ही अँग्रेज सिपाही महल में घुस गए।

ग) महल के कोने–कोने में क्या खोजा जा रहा था और कौन नहीं खोज पाए?

उत्तर : महल के कोने-कोने में मैना को खोजा जा रहा था और उन्हें अँग्रेज सिपाही नहीं खोज पाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाईयों का सामना करा पड़ा?

   उत्तर : लेखक को इस यात्रा के दौरान अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा-

   - जगह-जगह रास्ता कठिन तो था ही साथ में परिवेश भी बिल्कुल नया था।
   - उनका घोड़ा बहुत सुस्त था। इस वजह से लेखक अपने साथियों से बिछड़ गया और अकेले में रास्ता भूल गया।
   - डाकू जैसे दिखने वाले लोगों से भीख माँगनी पड़ी।
   - भिखारी के वेश में यात्रा करनी पड़ी।
   - समय से न पहुँच पाने पर सुमति के गुस्से के सामना करना पड़ा।
   - तेज़ धूप में चलना पड़ा था।
   - वापस आते समय लेखक को रूकने के लिए उचित स्थान भी मिला था।

2. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्याबरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?

   उत्तर : सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह के सामने केरल की साइलेंट-वैली संबन्धी खतरों की बात उठाई होगी। उस समय केरल पर रेगिस्तानी हवा के झोंकों का खतरा मंडरा रहा था। वहाँ का पर्यावरण दूषित हो रहा था। प्रधानमन्त्री को वातावरण की सुरक्षा का ध्यान था। पर्यावरण के दूषित होने के खतरे के बारे में सोचकर उनकी आँखें नम हो गई।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

3. नीचे दी गई पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए-

'तुम परदे का महत्त्व नहीं जानते, हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं'

उत्तर : प्रेमचंद ने कभी पर्दे को अर्थात लुकाव-छिपाव को महत्त्व नहीं दिया। उन्होंने वास्तविकता को कभी ढँकने का प्रयत्न नहीं किया है। लोग अपनी बुराइयों को कभी छिपाने का प्रयास नहीं किया। वे भीतर-बाहर एक समान थे।

4. लेखिका महादेवी ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

उत्तर : महादेवी की माता अच्छे संस्कार वाली महिला थीं। वे धार्मिक स्वभाव की महिला थीं। वे पूजा-पाठ किया करती थीं। वे ईश्वर में आस्था रखती थीं। सवेरे "कृपानिधान पंछी बन बोले" पद गाती थीं। प्रभाती गाती थीं। शाम को मीरा के पद गाती थीं। वे लिखा भी करती थीं। लेखिका ने अपनी माँ के हिंदी-प्रेम और लेखन-गायन के शौक का वर्णन किया है। उन्हें हिंदी तथा संस्कृत का अच्छा ज्ञान था। इसलिए इन दोनों भाषाओं का प्रभाव महादेवी पर भी पड़ा।

5. सालिम अली हर समय क्या लिए रहते थे और क्यों?

उत्तर : सालिम अली हर समय अपने साथ दूरबीन लिए रहते थे। सालिम अली एक पक्षी प्रेमी और बर्ड वाचर होने के कारण अधिकतर समय पक्षियों को ही देखने में बिताते थे ऐसे में दूरबीन उनकी सबसे बड़ी सहायक होने के कारण वे हर समय दूरबीन लिए रहते थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

चित्रकूट की अनगढ़ चौड़ी
कम ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ
दूर दिशाओं तक फैली हैं।
बाँझ भूमि पर
इधर-उधर रींवा के पेड़
काँटेटेदार कुरूप खड़े हैं।

1. 'अनगढ़' शब्द का आशय स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : यहाँ पर 'अनगढ़' शब्द से आशय बेडौल, ऊबड़-खाबड़ तथा ऊँची-नीची से है।

2. दूर दिशाओं तक फैली हैं- का भाव क्या है?

   उत्तर : दूर दिशाओं तक फैली हैं का भाव यह है कि पहाड़ियाँ थोड़ी जगह में सीमित न होकर बहुत दूर-दूर तक फैली है।

3. पहाड़ियों के लिए किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है?

   उत्तर : पहाड़ियों के लिए- अनगढ़, चौड़ी, कम ऊँची तथा दूर दिशाओं तक फैली है विशेषणों का प्रयोग किया गया है।

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

   उत्तर : मेघ रूपी मेहमान के आने से हवा के तेज बहाव के कारण आँधी चलने लगती है जिससे पेड़ कभी झुक जाते हैं तो कभी उठ जाते हैं। दरवाजे खिड़कियाँ खुल जाती हैं। नदी बाँकी होकर बहने लगी। पीपल का वृक्ष भी झुकने लगता है, तालाब के पानी में उथल-पुथल होने लगती है, अंत में आसमान से वर्षा होने लगती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?

उत्तर : कवि को बचपन में माँ ने यह सिखाया था कि दक्षिण दिशा की ओर यमराज का घर होता है अत: वहाँ पर कभी अपने पैर करके नहीं सोना उस तरफ़ पैर रखकर सोना यमराज को नाराज करने के समान है। माँ द्वारा मिली इस सीख के कारण कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल नहीं हुई।

3. सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों हैं?

उत्तर : सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चों के वंचित रहने के मुख्य कारण सामाजिक व्यवस्था और आर्थिक मज़बूरी है। समाज के गरीब तबके के बच्चों को न चाहते हुए भी अपने माता-पिता का हाथ बँटाना पड़ता है। जहाँ जीविका के लिए इतनी मेहनत करनी पड़े तब सुख-सुविधाओं की कल्पना करना असंभव सा लगता है।

4. भाव स्पष्ट कीजिए- जेब टटोली कौड़ी न पाई।

उत्तर : कवयित्री कहती है कि इस संसार में आकर वह सांसारिकता में उलझकर रह गयी और जब अंत समय आया और जेब टटोली तो कुछ भी हासिल न हुआ अब उसे चिंता सता रही है कि भवसागर पार करानेवाले मांझी अर्थात् ईश्वर को उतराई के रूप में क्या देगी।

5. माई री वा मुख की मुस्कानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त पंक्तियों का भाव यह है कि कृष्ण की मुस्कान इतनी मोहक है कि गोपी से वह झेली नहीं जाती है अर्थात् कृष्ण की मुस्कान पर गोपी इस तरह मोहित हो जाती है कि लोक लाज का भी भय उनके मन में नहीं रहता और गोपी कृष्ण की तरफ़ खींची चली जाती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है - मेरे संग की औरतें पाठ के आधार पर तर्क-सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर : डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है। यह बात हमें लेखिका की माता द्वारा चोर के पकड़े जाने पर उसके साथ किए गए व्यवहार से पता चलता है। चोर के पकड़े जाने पर लेखिका की माँ ने न तो चोर को पकड़ा, न पिटवाया, बल्कि उससे सेवा ली और अपना पुत्र बना लिया। उसके पकड़े जाने पर उसने उसे उपदेश भी नहीं दिया। उसने इतना ही कहा- अब तुम्हारी मर्जी- चाहे चोरी करो या खेती। उसकी इस सहज भावना से चोर का हृदय परिवर्तित हो गया। उसने सदा के लिए चोरी छोड़ दी और खेती को अपना लिया। यदि शायद वे चोर के साथ बुरा बर्ताव या मारपीट करती तो चोर सुधरने के बजाए और भी गलत रास्ते पर चल पड़ता।

अथवा

2. गोपाल प्रसाद की किस विचारधारा से रामस्वरूप जी खिन्न थे, आप उनसे कहाँ तक सहमत है?

उत्तर : गोपाल प्रसाद जी स्वयं वकील होने के बावजूद स्त्री शिक्षा के विरोधी थे। वे समझते थे कि लड़कियों के लिए थोड़ा-बहुत पढ़ना-लिखना पर्याप्त है। लड़कियों को पढ़-लिखकर नौकरी थोड़े ही करनी है। ज्यादा पढ़ने से वे राजनीतिक बातें करती हैं और अखबार पढ़ने में समय बिताती है। इस दकियानूसी विचारधारा से रामस्वरूप खिन्न थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मैं रामस्वरूप के विचारों से पूरी तरह सहमत हूँ। स्त्री का पढ़ा-लिखा और आत्मनिर्भर होना कोई दोष नहीं है। उलटे पढ़ी-लिखी स्त्री देश और समाज की उन्नति में सहायक ही होती है।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

त्योहारों के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव का बढ़ना

- त्योहारों की उपयोगिता
- उत्साह और आस्था कम होने के कारण

भारत में विभिन्न धर्म विद्यमान हैं। इस कारण यहाँ उनसे जुड़े विभिन्न त्योहार विद्यमान है। त्योहार या उत्सव हमारे सुख और हर्षोल्लास के प्रतीक है जो परिस्थिति के अनुसार अपने रंग-रुप और आकार में भिन्न होते हैं। सभी त्योहारों से कोई न कोई पौराणिक कथा अवश्य जुड़ी हुई है और इन कथाओं का संबंध तर्क से न होकर अधिकतर आस्था से होता है। ये त्योहार भारत की एकता, अखंडता और भाईचारे का प्रतीक हैं। ये त्योहार हमारी प्राचीन संस्कृति के प्रतीक हैं और हमारी पहचान भी हैं। भारत संस्कृति में त्योहारों एवं उत्सवों का आदिकाल से ही काफी महत्त्व रहा है। परंतु आज यह देखकर दुख होता है कि लोग त्योहार के प्रति नीरसता दिखाने लगे है। इसके कई कारण है- आज की जीवनशैली, बढ़ता काम का तनाव, महँगाई आदि।

आज के युग में मनुष्य बहुत अधिक व्यस्त रहता है। उसे समय ही नहीं कि त्योहार के लिए तैयारी करे। इसके अलावा आज महँगाई इतनी बढ़ गई है कि दो वक्त का खाना भी कई लोग मुश्किल से पाते हैं उसमें त्योहार का

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खर्च कहाँ करेंगे। आज के युग में मनुष्य संयुक्त परिवार में नहीं रहता जिससे भी त्योहार मनाने का उत्साह फीका पड़ जाता है।

पुस्तक की आत्मकथा

- प्रारंभिक रूप : लेखन
- मुद्रण-प्रकाशन
- पाठक के हाथ में

बहुत दिनों से अपने मन की दशा किसी के सामने व्यक्त करना चाह रही थी। अच्छा, हुआ जो मैं आपके हाथ लगी। मैं आपको को अपनी आत्मकथा सुनाना चाहती हूँ। मैं आज जिस रूप में हूँ, वैसे ही मैं अपने प्रारंभिक रूप में कतई नहीं थी। प्राचीन काल में जब तक मेरा आविष्कार नहीं हुआ था तब तक मौखिक ज्ञान द्वारा ही शिक्षा प्रदान की जाती थी परंतु धीरे-धीरे जब ज्ञान को सुरक्षित रखने की समस्या उत्पन्न हुई तो पेड़ की छालों से बने भोजपत्रों पर लिखना आरंभ हुआ। उसके बाद कागज का आविष्कार हुआ और लोगों ने मुझ पर लिखना आरंभ किया। कवियों, लेखकों, साहित्यकारों, अन्वेषणकर्ताओं आदि द्वारा मुझ पर लिखने के पश्चात मुझे प्रेस में मुद्रण के लिए भेजा जाता है। वहाँ पर छापे खाने में मशीनों के अंदर मुझे असहनीय कष्टों से गुजरना पड़ता है। उसके बाद जिल्द बनाने वालों हाथों से मुझे गुजरना पड़ता है और इस तरह कई सारी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद में पुस्तक विक्रेताओं के पास पहुँचती हूँ और अंत में आप जैसे पाठकों के हाथ में पहुँचती हूँ। पर यहीं पर मेरी कहानी समाप्त नहीं होती है। कुछ अच्छे पाठक होते हैं जो मुझे बेहद संभालकर रखते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जो पढ़ने के बाद मुझे कहीं भी कोने में फेंक देते हैं। इन सब अनुभवों से गुजरने के बाद आज मैं आपके हाथ में हूँ। मैं पाठकों से केवल यही कहना चाहती हूँ कि पढ़ने के बाद मुझे फेंके नहीं और न ही फाड़े। यदि वे मुझे

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पढ़ना न भी चाहते हो तो घर में कहीं संभालकर रख दें या किसी अन्य पुस्तक प्रेमी या जरूरतमंद को दे दें।

समाचार-पत्र

सुबह होते ही लोगों को समाचार पत्र की सुध हो जाती है। कुछ लोगों को यदि सुबह की चाय के साथ समाचार पत्र न मिले तो उन्हें अपने जीवन की सबसे बड़ी कमी महसूस होती है।

समाचार-पत्र का हमारे दैनिक जीवन में अत्यंत महत्त्व है। इनमें देश-विदेश की घटनाओं, रोजगार, प्रचार, मनोरंजन, उद्घोषणाओं आदि की लिखित जानकारियाँ होती हैं। कुछ ही पलों में हम इनके अध्ययन से अपने आस-पास की खबरों के साथ-साथ, देश-विदेश के अनेक प्रांतों में क्या हो रहा है घर बैठे जान जाते हैं। हम इसके माध्यम से अपने संदेश, उद्घोषणाएँ, शिकायत आदि प्रचारित कर सरकार सहित आम जनता को सूचित कर सकते हैं। इसके माध्यम से समाज में होने वाले आपराधिक कृत्यों, अपराधों आदि को रोकने में तथा जन-जागरण में मदद मिलती है।

प्र. 12. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

मित्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने पर बधाई-पत्र लिखिए।

केंद्रीय विद्यालय छात्रावास
राजौरी गार्डन
नई दिल्ली
दिनाँक : 03 फरवरी 20XX

प्रिय मित्र अनुज
सप्रेम नमस्ते

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अभी-अभी तुम्हारा पत्र मिला। अंतर्विदयालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह पढ़कर मन खुशी से झूम उठा। इस अवसर पर मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करो। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम भविष्य में ऐसी ही सफलताएँ प्राप्त करते रहो।

तुम्हारे माता पिता को मेरी ओर से सादर प्रणाम तथा छोटी बहन हीना को प्यार।

तुम्हारा मित्र

अमर

अथवा

आपके नाम से प्रेषित एक हजार रु. के मनीआर्डर की प्राप्ति न होने का शिकायती पत्र अधीक्षक, पोस्ट आफिस को लिखिए।

दून छात्रावास

देहरादून

दिनाँक - 15 मार्च 20 XX

सेवा में,

अधीक्षक

पोस्ट ऑफिस

देहरादून

विषय : मनीआर्डर की प्राप्ति न होने हेतु शिकायती पत्र।

महोदय

मेरे पिताजी ने मेरी परीक्षा फ़ीस भरने के लिए कार्तिक गोदाल के नाम से एक हजार रु. का मनीआर्डर दस दिन पहले (5 मार्च 2018) को किया था, मुझे वह अब तक प्राप्त नहीं हुआ। ये पैसे मुझे अपनी वार्षिक परीक्षा शुल्क भरने के लिए भेजा गया था। मुझे शीघ्र ही फ़ीस भरनी है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अत: आपसे निवेदन है कि आप तुरंत इस बात का संज्ञान लेते हुए मेरी समस्या को सुलझाने का प्रयास करें।

धन्यवाद

भवदीय

कार्तिक गोदाल

प्र. 13. निम्नलिखित किसी एक विषय पर संवाद लेखन करें। [5]

1. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें।

निखिल : नमस्ते!

राहुल : नमस्ते!

निखिल : आप भी साक्षात्कार हेतु आए हैं।

राहुल : जी हाँ।

निखिल : बहुत ज्यादा उम्मीदवार आए है ना?

राहुल : जी, यह हाल तो हर जगह है।

निखिल : हाँ, मैं अब तक चार साक्षात्कार के लिए जा चूका हूँ। एक पद के लिए बीस-तीस उम्मीदवार तो रहते ही है।

राहुल : इसीलिए बेरोजगारी बढ़ रही है।

निखिल : सरकार को और अधिक रोजगार योजना बनानी होगी।

राहुल : सरकार भी क्या करें! उनकी योजनाएँ बढ़ती आबादी के सामने दम तोड़ देती है।

निखिल : सही कह रहे है।

राहुल : चलो मैं चलता हूँ। मेरा नंबर आ गया।

अथवा

2. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।

ताहिर : कल कहाँ थे विक्रम?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

विक्रम : घर पर ही था, तबियत ठीक नहीं थी।

ताहिर : क्या हुआ था? डॉक्टर को दिखाया?

विक्रम : नहीं, डॉक्टर को नहीं दिखाया। वैसे कुछ खास नहीं, पर क्या बताऊँ कुछ दिनों से थकान और बार-बार सिरदर्द रहता है।

ताहिर : तुम्हें व्यायाम की आवश्यकता है। दिनभर ऑफिस में बैठने से भी ऐसी समस्याएँ होती है।

विक्रम : मुझे पसंद नहीं व्यायाम करना।

ताहिर : नहीं मित्र, व्यायाम से तुम्हारे शरीर में स्फूर्ति आएगी और बीमारियाँ दूर भागेगी।

विक्रम : बड़ी आलस आती है।

ताहिर : ज्यादा नहीं तो सुबह में आधा घंटा चला करो और कुछ हलकी सी कसरत कर लिया करो। मैं तो रोज सुबह चलने जाता हूँ।

विक्रम : अच्छा, तो कल से मैं भी तुम्हारे साथ आऊँगा।

ताहिर : यह हुई न बात।

विक्रम : कल सुबह मिलते है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in